

१२१ मन्त्रपीठार्थन नवोत्थान

अभिलेख
ASMA ARCHIVES

3078

नमो माधव वनदा वनमलं डी माहं न्वरी विचया इक
लं पी को मात्री विचया इका ॥ नैज अथा नमो माधव
नैज अथा नमो माधव वनदा वनमलं डी वाना
मलं पी विन्दा पी विचया इका ॥ नैज अथा न
नैज अथा नमो माधव वनदा वनमलं डी मलं
कृष्णदा ॥ ॥ तत्ता म (स्य पूषा दसा) ॥ व

॥ नैज मित्री सानन्द नाथ पाइका पूजयामि ॥ नैज डी सान
॥ नैज सही सानन्द नाथ पाइका पूजयामि ॥ नैज वही सानन्द
नैज गृही सानन्द नाथ पाइका पूजयामि ॥ नैज आदि नाथा स
नैज कीर वन नाथ सनाथ पाइका पूजयामि ॥ नैज डी मा मना
मा मि ॥ नैज सुभू मर्दक नाथ सनाथ पाइका पूजयामि ॥ नैज सौं
पाइका पूजयामि ॥ नैज हीन कवि घास हापो ॥ वरक पूषा वरक म

वनक वक्रावमहापी० वक्र नदी वक्र मन्त्र महापी० वक्र दीप वक्र मन्त्र
नक्ति वक्र महाप्रकाशिनी यन्त्रा म्हा १ वक्र पाइका पूजयामि ॥ दक्षि ॥
ग्रामहापी० ३ वक्र पूषा ३ वक्र मन्त्र महापी० ३ वक्र वनक ३ वक्र वनक
वक्र मन्त्र महापी० ३ वक्र दीप ३ वक्र मन्त्र महापी० ३ वक्र नक्ति ३ वक्र मन्त्र
३ वक्र पाइका पूजयामि ॥ इति ॥ ३ वक्र मन्त्र महापी० ३ वक्र वनक ३ वक्र वनक
यामि ॥ इति ॥ ३ वक्र मन्त्र महापी० ३ वक्र वनक ३ वक्र वनक

गिनानां पी० जाक ३ वक्र मन्त्र महापी० जागजा गुरुजा कलजा स
ना खवनी मन्त्र ३ वक्र मन्त्र महापी० दिक्करी ३ वक्र मन्त्र महापी०
करी ३ वक्र मन्त्र महापी० याथायर्थी ना वलिगुरु ३ वक्र मन्त्र महापी०
जा ३ वक्र मन्त्र महापी० याति मन्त्र महापी० विनूय ३ वक्र मन्त्र महापी०
दीदीलाहा ३ वक्र मन्त्र महापी० याति मन्त्र महापी० याति मन्त्र महापी०
मन्त्र ३ वक्र मन्त्र महापी० याति मन्त्र महापी० याति मन्त्र महापी०

मलो हं भूतानां पालुङ्गनाति ॥ यथा वा न युहावा नां नृणां दि ॥ वाक्
ताम्रं लादिन ॥ तर्थादा ॥ यीति यमाद्यादि ॥ तर्थादा ॥ अष्टाविंशतीत्यादि
ठूतिपाइकायूजा ॥ सामान्य गायत्रीदिदव ३ ॥ तगाश्कल सपूजनी
स्त्यादि ॥ ४ ॥ ध्यान ॥ ३ ॥ अथ द्वाष्टिक संकाशं त्रिभुवनं त्रुमोति
मूडामालाधर्वद्वय ॥ नर्वध्यातामहादर्व नृष्टकामार्थसिद्धि
मनु ॥ यथा ॥ एतन्महाविष्णुर्वनमहा नूडा यन्महा ॥ नृणां

नमः ॥ ३ ॥ दूँ सः अमृतीताम्रं त्रु ३ ॥ या यन्महा ॥ यथा य
दशमाशायन्महा ॥ अतर्वनम सन्धस्तमायन्महा ॥ कावादि
रून्दादिदशला कया लं त्या नमः ॥ अदित्यादिनवग्रह त्या न
विंशतिनक्षत्र त्या नमः ॥ विष्णुकादि सफा विंशति था ॥ ग त्या नमः ॥
दशतिथि त्या नमः ॥ मयादि द्वादश त्रां ति त्या नमः ॥ मूकू र्त्त्या नमः ॥ ग म
त्या नमः ॥ अस्त का मादि अष्टाविंशति त्या नमः ॥ वशिष्ठादि सफ सति

नृणां नादि अष्टकलनागलानमः॥६॥ नमः॥ विद्याये नमः॥ कलाये
नमः॥ यतिष्ठाय नमः॥ नैऋतं कलककमहासतं ससाहनसकलती
कलाकलगतलाधियतयं वदन्तु विष्णुनडासनविशालिवगलाय नमः॥
लुकलसमूर्त्यया इकाज॥ अथ नदीवलि॥ आवाहनादि॥ धेनु
संयं॥ जाय॥ उक्तं॥ नैऋतं॥ सुति॥ नैऋतं॥ वलाप्रधीत्या
लसपूजा॥ ॥ तताः॥ कुरुपूजनं॥ नैऋतं॥ यमाप्रनायया

[illegible]

कवचाय या इकां ॥ अथानाक ॥ षष्ठः तर्ग पूज ॥ अथानाक वलि ॥ अथ
 योनिमूलादर्शिका ॥ जाया ॥ श्री स्वाहा ॥ मुक्ति ॥ वर्धुकाय यादि ॥ अथानाक
 कथ ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॥ तन्नामकायाय पूजा ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 लीयकृती श्रीकीर्तीनाम नन्द दव या इकां ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 श्रीवाधियन यन्त्र ॥ श्रीमहायागुरुदाविकाय या ॥ इकां ॥
 नादि ॥ महाया ॥ निमूला ॥ मुक्ति ॥ कायविशालि ॥ पूर्व पत्र

नवर्तुः वक्रावुखलुसं नृपवदुति ॥ अरुतिनामाय दया ॥ सा
 लसुत्रगणाकायवक्ति ॥ सद्वी श्रीराग्यदिवा कजा मेरिसनरु
 का अरुगनादि ॥ ॥ तन्नाम ॥ कर्ममलुलस्य दकि ॥ एतुवमलुल पूज
 एतुमलुलाकारादि ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 अथाइकां ॥ ॐ नमो भगवते ॥ अथाइकां ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते ॥ वक्राय ऊनलाहा ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥

दि॥ यानिमूडां दर्शय॥ गुरुमुद्रि आसायुजा॥ विन्दुयय॥ गणवदुकपूजय
सनाययाइकी॥ जंलांगीं गुंलोमो गुं॥ लोमो गणयकिमाथयसवन्नरासहिकाय
ध्यायसमनाययाइकी॥ मयूना सनाययाइकी॥ जंजुपी कौदवी पूवदुकनाथ क
रावरसूत्रदिनगुका नामसूत्रवतव२ सर्वविद्यानालय२ हात्रिदि२ मूद्र२
लायवदुकनाथययाइकी॥ मलुलसूत्रहकिषवामका॥ ए॥ जंजु पी मलुलसूत्र
मलुलसूत्र॥ जंजु पी नवात्मानन्दनाथपी समयादवीगुनूयाइकी

[illegible]

प्रणक्ति यत्रिकलना यदयककति नवधा उदाहृता विविदि यः ३३ गुरुवासी किनाथ
सिद्धानां यादकां पूजयामि ॥ स्वर्गाद्वरसंयुक्ता ॥ धर्मकृता वलि ॥ आवाहनादि उपायानां
दशा ॥ ॐ ज्ञानी नवास्मानन्द नाथजी समयादवी गुरुमधुसूदनं हृदयं त्वदनं गुरुनाथ
हा ॥ नवसंवायवावंदना ॥ वलिप्रदानं ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ श्री गुरु
किनाथ यस्तव नृणां सहिता यस्तव विद्या यस्तव मना यथा इकां वलिं गुरुं २ त्वा क
ॐ ज्ञानी कीदवापुष्टं वदु कताथ कपिल उठा रात्रि नग कालामूखि अवत

प्राप्ताऽयं २ हाविनी २ मूढ २ दू २ कुरुयात्ताय वदु कताथ यथा इकां वलि
॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥
॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥
सन्दा रुजाथ कविशामिनीनां स्ववनी गुरुवनी गुरुवनी गुरुवनी गुरुवनी गुरुवनी गुरुवनी
४ यस्तव वदु सफाष्टनवाकरी तां विजया सतीतां यथा यथा नां वलिं गुरुं २ मम सिद्धि
वस्तु कुरु कुरु कुरु कुरु कुरु ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ ज्ञानी गौरी गौरी गौरी ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

हा। रुद्रक धनुहका ३३ गदायुधमधुसाहिका ॥ पास ३३ कर्जनी रुद्रा खडा न
 पांशका विन्दुमूला तथा सिद्धि सिद्धाष्टनाय विहिता ॥ मयी वा निग्न ता देह्य महाव
 यनाक्रमी रुद्रयकिणि पूत्रे न विधुता सातिना वूहा ॥ ३३ वं ध्यात्वा महादेवी सर्वका
 र्यसिद्धय ॥ ३३ या या उवाहका ३३ यदा मूढमदं विना ॥ वूदव उवाच उवाच वा ॥ या
 वलु नायका ॥ वलु वलु वली वै वलु वलु वलु वलु वलु ॥ ला वना मूला रुद्रा नी
 ला मूला वधूत्रिका ॥ यीता रुद्रा वलु ला रुद्रा ॥ मूला रुद्रा रुद्रा विहिता ॥ यनिवा यमा य

कामायातु ॐ ह्रमं तुल ॥ ॐ तिष्ठान ॥ ॥ शिवाग्रलि ॥ वैजं कुंटी नाजषदयुं उ
यव (वुनियु मर्दनी दूरे सदा नरु २ त्वमांशं सः सखरु न याइका ॥ अन्नान्न न स पूषा ॥
अमरुतं वलि ॥ वैजं कुंटी श्रीसिद्धि वामं तुलये याइका ॥ अन्नं वलि ॥ वैजं कुंटी उग्रवत्तु यवि
अरुद्र नादवी वधीम ॥ ह्रत ना वलियु वद जात ॥ अन्न वलि ॥ अवाह नादि ॥ यानि
मूर्तादरा यं ॥ तर्क ॥ धूय दीय ॥ जाय ॥ मुहि ॥ नेम ह्का व ॥ ॐ ति उग्रवत्तु पूजा
माय ॥ ॥ ततोऽष्टाविंशतिक कर्म पूजयं ॥ पुन नमस्का व ॥ न्यास ॥ यः ॥ यः ॥

[illegible]

वसिष्ठः ॥ अथाहनादि ॥ विन्दुयश्च ॥ ॥ तत्कानवासाकूटनामभोज
 यैः कतिपयैः ॥ जैजै अनामिकायैः ॥ जैजै नमश्चामायैः ॥ जैजै तर्जयैः ॥ जै
 ऊडुअमुष्टायैः ॥ जैजै अकवकायैः ॥ इति कवनामभ ॥ ॥ जैजै हृदयायैः
 ॥ जैजै शिवायैः ॥ जैजै नैमिषायैः ॥ जैजै अकवकायैः ॥ जैजै
 कश्यपायैः ॥ जैजै अमृतायैः ॥ इति अमृतायैः ॥ जैजै अमृतायैः
 मवकायैः ॥ जैजै अमृतायैः ॥ जैजै अमृतायैः ॥ जैजै अमृतायैः



























